भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 380
दिनांक 03.02.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्रवासी भारतीय दिवस

380. श्री कोथा प्रभाकर रेड्डी:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने 17 वां प्रवासी भारतीय दिवस आयोजित किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और इसका परिणाम क्या है; और

(ग) स्वदेश से प्रवासी भारतीयों के संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री वी. मुरलीधरन)

(क) से (ग) 17 वां प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन 08–10 जनवरी 2023 को इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया था। 17 वें प्रवासी भारतीय दिवस का विषय था "प्रवासी: अमृत काल में भारत की प्रगति के लिए विश्वसनीय भागीदार"।

तीन दिवसीय पीबीडी सम्मेलन का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य अतिथि महामहिम डॉ. मोहम्मद इरफ़ान अली, गुयाना सहकारी गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति और विशिष्ट अतिथि, महामहिम श्री चंद्रिकाप्रसाद संतोखी, सूरीनाम गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति की उपस्थिती में किया। माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षित, वैधानिक, व्यवस्थित और कुशल प्रवासन के महत्व को रेखांकित करते हुए एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। माननीय प्रधानमंत्री ने भारत की आजादी में हमारे प्रवासी भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को उजागर करने के लिए "आजादी का अमृत महोत्सव – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में प्रवासियों का योगदान" विषय पर पहली डिजिटल पीबीडी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। माननीय राष्ट्रपति जी, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने समापन सत्र की अध्यक्षता की तथा चयनित भारतीय प्रवासी सदस्यों को भारत और विदेश दोनों में विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों की पहचान करने और उनके योगदान का सम्मान करने के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया।

17 वें प्रवासी भारतीय दिवस में एक युवा खंड और एक राज्य खंड भी रखा गया था जिसमें भारत के युवाओं को डायस्पोरा युवाओं के साथ बातचीत करने और जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। 17 वें पीबीडी सम्मेलन में मंत्रिस्तरीय अध्यक्षता वाले पांच विषयगत पूर्ण सत्र थे, जिसमें प्रख्यात डायस्पोरा विशेषज्ञों सहित पैनल चर्चा शामिल थी। भारत की मौजूदा जी20 अध्यक्षता को देखते हुए 09 जनवरी 2023 को एक विशेष टाउन हॉल का आयोजन किया गया।

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन प्रवासी भारतीय समुदाय की उपलब्धियों और भारत के विकास में उनके योगदान की पहचान करने और उसे मनाने के लिए आयोजित किए जाते हैं। 17 वें पीबीडी सम्मेलन का विशेष महत्व था क्योंकि इसे चार साल के अंतराल के बाद एक प्रत्यक्ष कार्यक्रम के रूप में और कोविड–19 महामारी के बाद प्रवासियों के पहले प्रत्यक्ष सम्मेलन के रूप में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में लगभग 70 देशों के प्रवासी भारतीयों की बहुत उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। चार साल के अंतराल के बाद डायस्पोरा के साथ संबंधों को नवीनीकृत करने और उनसे जोड़ने और 'अमृत काल' में भारत की प्रगति और विकास में उनकी भागीदारी और योगदान को स्थापित करने के संदर्भ में 17 वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन अत्यंत सफलत रहा।

*****